Raj Express (Indore), 14th August 2022, Page-03

आईआईटी इंदौर का गरिमामय आयोजन

दीक्षांत समारोह में 111 गर्ल्स सहित 490 को मिली डिग्री

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने अपना 10वां दीक्षांत समारोह शनिवार को मनाया। इस अवसर पर, डॉ अनिल काकडोकर, पद्म विभूषण, पूर्व अध्यक्ष, भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग और भारत सरकार के पूर्व सचिव, बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता बीओजी के अध्यक्ष, प्रो. दीपक बी फाटक ने की। दीक्षांत समारोह के दौरान प्रो. सुहास एस. जोशी, निदेशक और सीनेट के अन्य सदस्य उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में, 111 गर्ल्स सहित कुल 490 स्टूडेंट्स ने डिग्री प्राप्त की। इसमें 269 बीटेक, 61 पीएचडी, 88 एमएससी, 65 एमटेक और 07 एमएस (रिसर्च) के स्टूडेंट शामिल हैं।

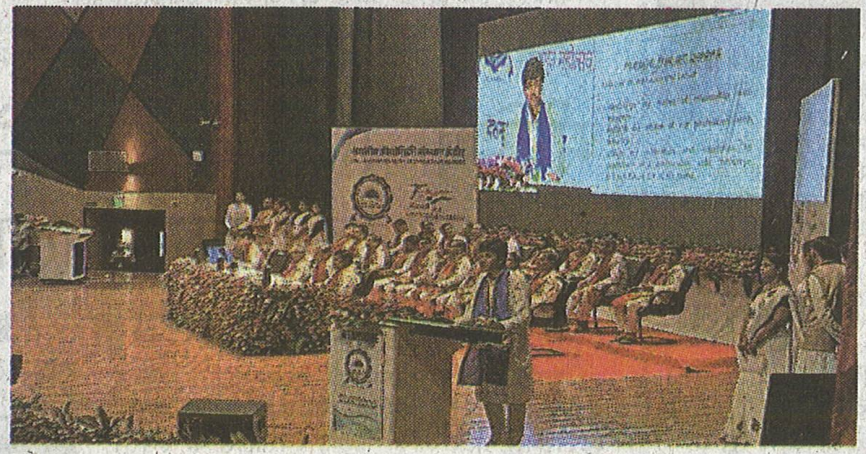

83 में से 19 पेटेंट मिले

प्रो. सुहास एस जोशी ने कहा, अनुसंधान हमारी विशेषता रही है और हम समाज में योगदान करने और इसके माध्यम से पिरामिड के निचले हिस्से के लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह गर्व की बात है कि दाखिल किए गए 83 पेटेंटों में से हमें 19 पेटेंट मिल गए हैं। हालांकि आईआईटी प्रौद्योगिकी के लिए जाने जाते हैं, हम मानविकी पर भी समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर काम कर रहे हैं। मेरे पास आज साझा करने के लिए बहुत अच्छी खबर है, भारत सरकार ने दो दिन पहले आईआईटी इंदौर में 'जय प्रकाश नारायण नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन ह्यूमैनिटीज' की स्थापना को मंजूरी दे दी है। शिक्षा मंत्री ने आईआईटी इंदौर को अमृत सरोवर विकसित करने की सलाह दी है जो बैठने की जगह, जॉगिंग ट्रैक, प्राकृतिक एम्फीथिएटर और लैंडस्केपिंग के साथ 100 मीटर व्यास की झील होगी। स्टूडेंट्स से उन्होंने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि आपने अपने मातृ संस्थान से जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वह आपको व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ होने में मदद करेगा। इसलिए खुद पर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें। यह आपको आगे का रास्ता बनाने में मदद करेगा। आपको हमेशा अपने ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करते रहना चाहिए और इसे मानव जाति की अच्छी सेवा के लिए उपयोग में लाना चाहिए।

पहली बार डिजिटल डिग्री प्रमाण पत्र जारी किए: पहली बार, आईआईटी इंदौर, सभी यूजी स्टूडेंट्स को ब्लॉकचेन-सक्षम डिजिटल डिग्री प्रमाण पत्र भी जारी किए। इन प्रमाणपत्रों को क्रिप्टोग्राफिक रूप से संरक्षित किया जाता है और इसलिए इनके साथ छेड़छाड़ या जाली नहीं किया जा सकता है। अब प्रमाण पत्र की हार्ड कॉपी को मैन्युअल रूप से स्कैन करने की आवश्यकता के बिना कभी भी-कहीं भी किसी के द्वारा विश्व स्तर पर सत्यापित किया जा सकता है।

इन्हें मिली उपलब्धि

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के डेनियल शाहिद शम्सी ने भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यूजी कार्यक्रमों में शाह मितेन हरेश, सुमेधा श्रीवास्तव, अर्नव सुहास जोशी, अरविंद मेहता, सोनाक्षी गुप्ता ने संस्थान का रजत पुरस्कार प्राप्त किया। जिबिन वी सनी और हरि नारायणन वासवन ने पीजी कार्यक्रमों के लिए संस्थान का रजत पुरस्कार प्राप्त किया। एमएससी की स्टूडेंट अंकिता मंडल ने बूटी फाउंडेशन का स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अक्षय प्रकाश और गौरव कुमार, बीटेक स्टूडेंट को सर्वश्रेष्ठ बी टेक परियोजना का पुरस्कार मिला। मुकाला जोगेश कुमार ने सभी यूजी स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए संस्थान का रजत पदक प्राप्त किया। इस वर्ष, वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल पेश किया गया है, जो कि पीएच.डी. में एक महिला स्टूडेंट द्वारा सर्वश्रेष्ठ निबंध कार्य के लिए दिया गया। इस बार यह पुरस्कार प्रीति झा, पी.एच.डी. कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग की स्टूडेंट को मिला।